नईदुनिया

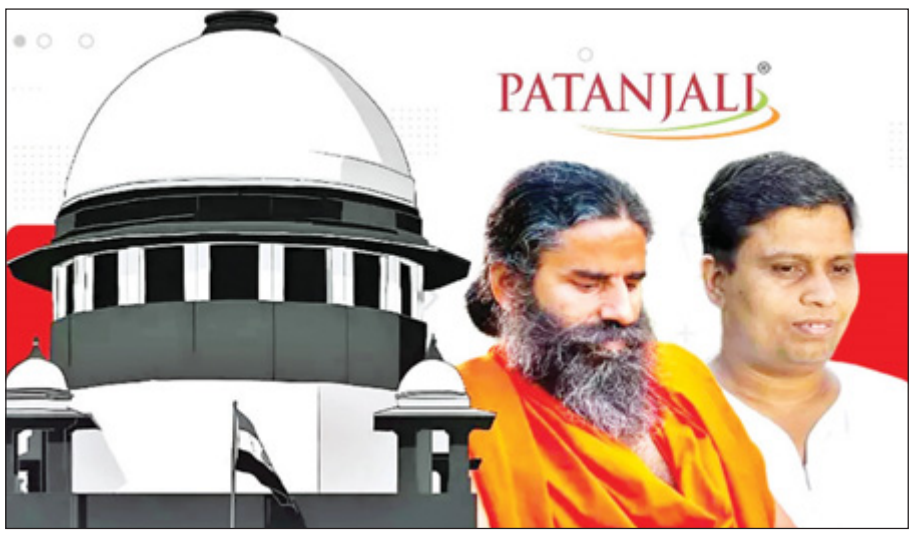

भ्रामक विज्ञापन केस में रामदेव ने सुप्रीम कोर्ट में माफी मांगी, अदालत ने कहा- यह मान्य नहीं, सरकार से सवाल- आंखें क्यों मूंदे रखीं

नई दिल्ली।
भ्रामक विज्ञापन केस में सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद के मैनेजिंग डायरेक्टर आचार्य बालकृष्ण को जवाब दाखिल करने के लिए आखिरी मौका दिया। अदालत ने कहा कि एक हफ्ते में जवाब दाखिल कीजिए। अगली सुनवाई 10 अप्रैल को होगी। अदालत ने कहा कि सुनवाई पर रामदेव और बालकृष्ण मौजूद रहें।

आज सुनवाई के दौरान रामदेव के वकील बलवीर सिंह ने कोर्ट से कहा कि योगगुरु माफी मांगने के लिए यहां मौजूद हैं। भीड़ की वजह से कोर्टरूम नहीं आ पाए। अदालत ने एफिडेविट देखने के बाद फटकार लगाई और कहा कि यह प्रॉपर एफिडेविट नहीं है।

जब बलवीर सिंह ने माफीनामा पढ़ा तो अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में आदेशों का उल्लंघन करने वाला माफी मांगता है। हमें रामदेव के वकील का माफीनामा नहीं सुनना। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अमानतुल्लाह की बेंच ने कहा, हम दोनों के खिलाफ झूठी बयानबाजी का केस चलाने का निर्देश रजिस्ट्रार को देते हैं।

अदालत ने बलबीर सिंह से कहा- आप तैयार रहिएगा। सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद रामदेव और बालकृष्ण कोर्ट रूम पहुंचे और रामदेव ने बिना शर्त माफी मांगी।

बेंच ने कहा, केवल सुप्रीम कोर्ट नहीं, देश की हर अदालत के आदेश का सम्मान होना चाहिए। आपको अदालत के निर्देशों का पालन करना था और आपने हर सीमा लांघी।

अदालत ने कहा कि जब पतंजलि हर कस्बे में जाकर कह रही थी कि एलोपैथी से कोविड में कोई राहत नहीं मिलती तो केंद्र ने अपनी आंखें क्यों बंद कर रखी थीं।

सही एफिडेविट फाइल ना करने पर केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि जो हुआ, वो नहीं होना चाहिए था। मेहता ने रामदेव और पतंजलि के वकीलों को सहयोग करने की पेशकश की।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई कर रही कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की ओर से 17 अगस्त 2022 को दायर की गई याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें कहा गया है कि पतंजलि ने कोविड वैक्सीनेशन और एलोपैथी के खिलाफ निगेटिव प्रचार किया। वहीं खुद की आयुर्वेदिक दवाओं से कुछ बीमारियों के इलाज का झूठा दावा किया।

न्यूज ब्रीफ

मांग में तेजी और नए ऑर्डर से विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 16 साल के उच्चतम स्तर पर, पीएमआई 59.1 हुआ

नई दिल्ली। मांग में आई तेजी और उत्पादन व नए ऑर्डरों में अक्टूबर 2020 के बाद सबसे मजबूत वृद्धि के बाद मार्च में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 16 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) मार्च में 16 साल के उच्च स्तर 59.1 पर पहुंच गया, जो फरवरी में 56.9 पर था। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में सूचकांक का 50 से ऊपर रहना विस्तार को दर्शाता है जबकि 50 से नीचे रहना संकुचन को दर्शाता है। एचएसबीसी के अर्थशास्त्री इनेस लैम ने कहा, भारत में मार्च का विनिर्माण पीएमआई 2008 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। विनिर्माण कंपनियों ने मजबूत उत्पादन और नए आर्डर के बाद भर्ती का विस्तार किया। मजबूत मांग और क्षमता में मामूली सख्ती के कारण मार्च में इनपुट लागत मुद्रास्फीति में तेजी आई। मार्च में विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादन में 33वें महीने और अक्टूबर 2020 के बाद से सबसे बड़ी वृद्धि दिखी। इस दौरान उपभोक्ता, मध्यवर्ती और निवेश वस्तुओं के क्षेत्रों में तेजी दिखी। घरेलू और निर्यात दोनों बाजारों से नए काम की आमद मजबूत हुई।

प्रवासी भारतीयों ने तीसरी तिमाही में रिकॉर्ड 29 अरब डॉलर भेजे, भारतीय एफसीएनआर पर ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली। प्रवासी भारतीयों ने दिसंबर तिमाही में भारत में रिकॉर्ड 29 अरब डॉलर की रकम भेजी है। इसका कारण यह है कि विदेशी मुद्रा-गैर निवासी यानी एफसीएनआर से मिल रहे रिटर्न में लगातार तेजी आ रही है। इस वजह से पश्चिमी देशों के बैंकों के जमा की तुलना में यहां पर ज्यादा ब्याज मिल रहा है। 2023 में कुल 100 अरब डॉलर की रकम मिलने का अनुमान जताया गया है। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, 1991 में उदारीकरण के बाद से अब तक का यह रिकॉर्ड है। कोविड के बाद के सर्वेक्षण से पता चला है कि सबसे ज्यादा रकम 23 फीसदी अमेरिका से भारत भेजी जा रही है। खाड़ी देशों से आने वाली रकम में गिरावट आ रही है। विश्लेषकों के मुताबिक, पिछला वित्त वर्ष वैश्विक स्तर पर एक अच्छा वर्ष रहा है। विश्लेषकों के मुताबिक, इस रिकॉर्ड रकम के आने के कई कारण हो सकते हैं। एक तो त्योहारी सीजन में परिवारों की जरूरतों के लिए पैसा भेजना। दूसरा डॉलर की तुलना में रुपये में गिरावट और तीसरा बैंकों की ओर से एफसीएनआर में ज्यादा ब्याज। अप्रैल-जनवरी 2023-24 के दौरान एफसीएनआर जमा में कुल 4.15 अरब डॉलर की रकम आई है। यह उसके पहले के साल की तुलना में तीन गुना अधिक है।

सोने-चांदी में तेजीः सोना 68,600 और चांदी का भाव 76 हजार के पार पहुंचा

नई दिल्ली। सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। चांदी 76 हजार रुपये और सोना 68,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहा है। वैश्विक बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। सोने के वायदा भाव आज तेजी के साथ खुले। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 249 रुपये की तेजी के साथ 68,580 रुपये के भाव पर खुला। सोने के वायदा भाव ने 69,487 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छुआ था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 218 रुपये की तेजी के साथ 75,750 रुपये के भाव पर खुला। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। कॉमेक्स पर सोना 2,272.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,257.10 डॉलर था। जो 16.70 डॉलर की तेजी के साथ 2,273.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 25.23 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 25.07 डॉलर था। जो 0.32 डॉलर की तेजी के साथ 25.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

हैवीवेट शेयरों में बिकवाली से लुढ़का शेयर बाजार, मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में आई तेजी

सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट के बावजूद निवेशकों को 2.52 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली।
हैवीवेट शेयरों में हुई बिकवाली के कारण सेंसेक्स और निफ्टी मंगलवार को दबाव में कारोबार करते रहे। हालांकि छोटे और मंझोले शेयरों में मंगलवार को जमकर खरीदारी हुई, जिसके कारण बाजार के गिरने के बावजूद निवेशकों को ढाई लाख करोड़ रुपये से अधिक का मुनाफा हो गया। मंगलवार को कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक कुछ देर के लिए हरे निशान में भी पहुंचे। इसके बाद एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन के कारोबार के दौरान खरीदार और बिकवाल एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश करते रहे, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल भी ऊपर नीचे होती रही। दिन भर की खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 0.15 प्रतिशत और निफ्टी 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

मंगलवार को दिन भर के कारोबार के दौरान मेटल, रियल्टी, मीडिया, ऑयल एंड गैस, ऑटोमोबाइल और पावर सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। दूसरी ओर टेलीकॉम, आईटी और बैंकिंग इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी मंगलवार को लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ मंगलवार को कारोबार का अंत किया।

मंगलवार को बेंचमार्क इंडेक्स में गिरावट के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में ढाई लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन मंगलवार को कारोबार के बाद बढ़ कर 395.67 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 393.15 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को मंगलवार के कारोबार से करीब 2.52 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

मंगलवार को दिन भर के कारोबार में बीएसई में 3,959 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,840 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,005 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 107 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में मंगलवार को 2,278 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,761 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 517 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर बढ़त के साथ और 18 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल शेयरों में से 28 शेयर हरे निशान में और 22 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स मंगलवार को 7.75 अंक की सांकेतिक तेजी के तहत 74,022.30 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ समय बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 85.23 अंक की मजबूती के साथ 74,099.78 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। इसके बाद बिकवाली का दबाव बनने की वजह से इसने लाल निशान में गोता लगा दिया। बाजार में पूरे दिन लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश चलती रही, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में भी लगातार उतार चढ़ाव होता नजर आया। बिकवाली के दबाव के कारण ये सूचकांक 270.78 अंक टूट कर 73,743.77 अंक तक पहुंच गया। हालांकि आखिरी 1 घंटे के कारोबार में खरीदारी का सपोर्ट मिलने की वजह से इस सूचकांक ने निचले स्तर से 150 अंक से अधिक की रिकवरी करके 110.64 अंक की गिरावट के साथ 73,903.91 अंक के स्तर पर मंगलवार को कारोबार का अंत किया।

सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने मंगलवार को 3.20 अंक की कमजोरी के साथ 22,458.80 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के कुछ देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 35.60 अंक की मजबूती के साथ 22,497.60 अंक तक पहुंचा। इसके बाद बिकवाली का दबाव बढ़ जाने के कारण इस सूचकांक ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से निफ्टी 73.85 अंक फिसल कर 22,388.15 अंक तक लुढ़क गया। हालांकि इसके बाद खरीदारों ने भी लिवाली का दम दिखाया, जिसके कारण इस सूचकांक ने निचले स्तर से करीब 65 अंक की रिकवरी करने में सफलता हासिल की। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद निफ्टी 8.70 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 22,453.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 4.07 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.92 प्रतिशत, बजाज ऑटो 2.59 प्रतिशत, बीपीसीएल 2.51 प्रतिशत और अडाणी पोर्ट्स 2.05 प्रतिशत की मजबूती के साथ मंगलवार के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, हीरो मोटोकॉर्प 2.56 प्रतिशत, कोटक महिंद्रा 1.86 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजी 1.82 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 1.68 प्रतिशत और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 1.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ मंगलवार के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

टाटा टेक्नोलॉजीज और बीएमडब्लू ग्रुप के बीच जॉइंट वेंचर

पुणे, बेंगलुरू और चेन्नई में सॉफ्टवेयर और आईटी डेवलपमेंट हब स्थापित करेंगी कंपनियां

नई दिल्ली।
टाटा टेक्नोलॉजीज और बीएमडब्लू ग्रुप ने जॉइंट वेंचर स्थापित करने के लिए एक समझौते पर साइन किया है। इस समझौते के तहत दोनों कंपनियां पुणे, बेंगलुरू और चेंन्नई में एक ऑटोमोटिव सॉफ्टवेयर और आईटी डेवलपमेंट हब स्थापित करेंगी। टाटा टेक्नोलॉजीज ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इसके बारे में जानकारी दी है।

इस जॉइंट वेंचर में दोनों कंपनियों की 50 प्रतिशत-50 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। इस खबर के बाद टाटा टेक्नोलॉजीज के शेयर में 6 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिल रही है। दोपहर 12 बजे कंपनी का शेयर 67 रुपए की तेजी के साथ 1,117.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। टाटा टेक्नोलॉजीज के सीईओ और एमडी वॉरेन हैरिस ने कहा, बीएमडब्लू ग्रुप के साथ हमारा कोलैबोरेशन हमारे कमिटमेंट को दर्शाता है कि हम दुनिया भर के कस्टमर्स को ऑटोमोटिव सॉफ्टवेयर और डिजिटल इंजीनियरिंग को टॉप-टियर सॉल्यूशन प्रोवाइड करें।

एक बेहतर दुनिया को बनाने के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप, हम अपनी एक्सपर्टीज को सामने लाने के लिए उत्साहित हैं। बीएमडब्लू ग्रुप के प्रीमियम प्रोडक्ट्स को इंजीनियरिंग करने में मदद करना, उनके कस्टमर्स को ग्रेट डिजिटल एक्सपीरियंस प्रोवाइड करना और उनके बिजनेस में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन जर्नी को आगे बढ़ाना है।

टाटा टेक्नोलॉजीज के ऑटोमोटिव सेल्स के प्रेसिडेंट, नचिकेत परांजपे ने कहा,हम बीएमडब्लू ग्रुप के साथ मिलकर अपने डीप डोमेन नॉलेज और एसडीवी एक्सपर्टीज का इस्तेमाल व्हीकल्स इंजिनियरिंग में करेंगे, जो न केवल टेक्निकल रूप से एडवांस हैं। बल्कि, दुनियाभर के कस्टमर्स को एक्सेप्शनल एक्सपीरियंस को डिलीवर करता है। बीएमडब्लू ग्रुप के सॉफ्टवेयर और आर्किटेक्चर के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट क्रिस्टोफ ग्रोटे ने कहा कि टाटा टेक्नोलॉजीज के साथ हमारा कोलैबोरेशन हमारी सॉफ्टवेयर-डिफाइन व्हीकल के क्षेत्र में प्रोगेस को बढ़ाएगा।

इंटरनेशनल कंपैरिजन में इंडिया में सॉफ्टवेयर स्किल्स के साथ बड़ी संख्या में टैलेंटेड लोग हैं, जो हमारी सॉफ्टवेयर कैपेबिलिटी में कॉन्ट्रिब्यूशन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बीएमडब्लू ग्रुप के साथ डेवलपिंग व्हीकल सॉफ्टवेयर डेबलप करने का मतलब टॉप-क्लास प्रोसेसिंग टूल्स के साथ काम करना। जो बदले में भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को हाई-एंड ऑटोमोटिव एक्सपीरियंस देता है।

2023-24 में एचएएल ने हासिल किया 29810 करोड़ से अधिक राजस्व, 11 प्रतिशत की हुई वृद्धि

नई दिल्ली।
रक्षा पीएसयू हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने वित्त वर्ष 2023-24 में 29,810 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व दर्ज किया है। एचएएल ने बताया कि उसने लगभग 11 प्रतिशत की दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की है।

गौरतलब है कि पीएसयू बंगलूरू में स्थित है। वहीं, एक्स पर जारी एक पोस्ट में, एचएएल ने लिखा कि उसने परिचालन से अब तक का सबसे अधिक राजस्व दर्ज किया है। साथ ही वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 29,810 करोड़ रुपये (अनंतिम और अलेखापरीक्षित) से अधिक, पिछले वित्तीय वर्ष में 9 प्रतिशत की तुलना में लगभग 11 प्रतिशत की दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की गई।

बता दें कि पिछले वर्ष का यह आंकड़ा 26,928 करोड़ रुपये था। एचएएल ने आगे बताया कि भूराजनीतिक मुद्दों के कारण उत्पन्न होने वाली प्रमुख आपूर्ति श्रृंखला चुनौतियों के बावजूद, कंपनी ने पूरे वर्ष बेहतर प्रदर्शन किया और अपेक्षित राजस्व वृद्धि हासिल की है।

अतिरिक्त ऑर्डर मिलने की उम्मीद-कंपनी की ऑर्डर बुक 31 मार्च, 2024 तक, 94,000 करोड़ रुपये से अधिक है और अतिरिक्त बड़े ऑर्डर मिलने की उम्मीद है। कंपनी ने विकास की गति को बरकरार रखा है और बेहतर प्रदर्शन हासिल किया है।

तेजस श्रृंखला का पहला विमान एलए5033 28 मार्च को बेंगलुरु में एचएएल सुविधा से उड़ान भरने के बाद सफलतापूर्वक लांच हुआ। एचएएल के मुताबिक, तेजस एमके1ए विमान ने 18 मिनट की सफल उड़ान भरी। विमान का संचालन मुख्य परीक्षण पायलट ग्रुप कैप्टन (सेवानिवृत्त) केके वेणुगोपाल ने किया।

इंफोसिस को मिला आयकर विभाग से 341 करोड़ रुपये का टैक्स डिमांड नोटिस

नई दिल्ली।
आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी इंफोसिस को असेसमेंट ईयर 020-21 के लिए 341 करोड़ रुपये का टैक्स डिमांड मिला है। इस आदेश के खिलाफ कंपनी अपील दायर करने का विचार कर रही है।

बेंगलुरु में स्थित इंफोसिस मुख्यालय ने कहा कि वह 31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए अपने वित्तीय विवरणों का मूल्यांकन कर रही है। ऐसे में कंपनी इस आदेश के खिलाफ अपील दायर करने का मूल्यांकन कर रही है।

इंफोसिस ने बीएसई फाइलिंग में कहा कि इसके अलावा कंपनी की एक सहायक कंपनी को भी असेसमेंट ईयर 2014-15 के लिए आयकर विभाग से रिफंड आदेश प्राप्त हुआ है। इसमें आदेश के अनुसार रिफंड राशि 15 करोड़ रुपये है।

इंफोसिस को इन मामलों में मिला विभाग द्वारा नोटिस

देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी इंफोसिस ने हाल ही में स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित किया कि उसे इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से 6,329 करोड़ रुपये के रिफंड की उम्मीद है। कंपनी ने विभिन्न मूल्यांकन आदेशों का हवाला देते हुए 2,763 करोड़ रुपये की कर मांग की भी जानकारी दी थी।

पिछले हफ्ते इंफोसिस लिमिटेड ने बीएसई फाइलिंग में कहा कि उसे तिमाही के दौरान मूल्यांकन वर्ष 07-08 से 15-16, 17-18 और 18-19 के लिए आयकर विभाग से आदेश प्राप्त हुए। इन आदेशों के अनुसार, कंपनी को 6,329 करोड़ रुपये (ब्याज सहित) की वापसी की उम्मीद है। कंपनी 31 मार्च, 2024 को समाप्त होने वाली तिमाही और वर्ष के वित्तीय विवरणों पर इन आदेशों के निहितार्थ का मूल्यांकन करने की प्रक्रिया में है।

इंफोसिस 18 अप्रैल को चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के वित्तीय परिणामों की घोषणा करेगा।

कंपनी को मूल्यांकन वर्ष 22-23 के लिए ब्याज सहित 2,763 करोड़ रुपये की कर मांग के साथ और मूल्यांकन वर्ष 11-12 के लिए ब्याज सहित 4 करोड़ रुपये की टैक्स डिमांड का ऑर्डर मिला है।

इंफोसिस को सहायक कंपनियों के लिए भी कुल 277 करोड़ रुपये के मूल्यांकन आदेश मिले हैं। खबर लिखते वक्त इंफोसिस कंपनी के शेयर गिरावट के साथ 1,487.30 प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे थे।

विस्तारा एयरलाइन की उड़ानों की लेटलतीफी और रद्द होना बन सकती है बड़ी मुसीबत

एयर इंडिया में मर्जर से पहले क्यों मुश्किल में फंसा एयरलाइन

नई दिल्ली ।
देश का एयरलाइन उद्योग फिर चर्चा में है। इस बार चर्चा में टाटा समूह की स्वामित्व वाली विस्तारा एयरलाइन है। विस्तारा का एयर इंडिया के साथ विलय होना है, पर इस विलय से पहले एयरलाइन की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। पिछले कुछ दिनों में विस्तारा के विमानों के रद्द होने और देरी से चलने की खबरें आ रही है। एयरलाइन को बीते कुछ दिनों में अपनी उड़ानों की संख्या को अस्थाई रूप से कम करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

विस्तारा की विमानों के साथ क्या हुआ-विस्तारा एयरलाइन की लगभग 50 उड़ानें रद्द की गई है। वहीं लगभग 160 के करीब विमान देरी से उड़े। आशंका है करीब 70 उड़ानें रद्द हो सकती हैं। अगर ऐसा होता है विस्तारा के यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के अनुसार विस्तारा एयरलाइन 300 से अधिक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का परिचालन करती है। विमानन कंपनी प्रभावित यात्रियों का बैकलॉग हटाने के लिए घरेलू मार्गों पर बड़े आकार के ड्रीमलाइनर और एयरबस ए321 तैनात करने की योजना बना रही है।

विमानों के रद्द होने का एयर इंडिया के साथ होने वाले मर्जर से क्या संबंध है-एयर इंडिया में विस्तारा के विलय की प्रक्रिया चल रही है। इस विलय से पहले विमानन कंपनी के परिचालन में आ रही दिक्कतों को इस मर्जर से भी जोड़कर देखा जा रहा है। विस्तारा एयरलाइन के कर्मचारियों में इस बात को लेकर असंतोष है कि मर्जर के बाद उनके वेतन में कटौती हो सकती है। हाल के महीनों में कई पायलट्स ने बीमार होने की भी जानकारी दी है। ऐसी स्थिति में चालक दल की अनुपलब्धता विमानों के देर होने और रद्द होने का कारण बनी है। विशेष रूप से पिछले 2-3 दिन एयरलाइन के लिए चिंताजनक रहे हैं। इस दौरान सोशल मीडिया पर शिकायतों की बाढ़ आ गई है। एयरलाइन ने परिचालन में बाधा आने की खबरों को स्वीकार भी किया। हालांकि मुंबई में अन्य एयरलाइनों की उड़ानों में भी 30-40 मिनट की देरी हुई, लेकिन इसकी वजह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुंबई यात्रा से जुड़ी वीवीआईपी गतिविधियों को माना गया।

परिचालन में आ रही दिक्कतों पर एयरलाइन क्या कह रही है-विस्तारा ने कहा कि उसने अपने नेटवर्क में पर्याप्त कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए उड़ानों की संख्या अस्थायी रूप से कम करने का फैसला किया है, और प्रभावित ग्राहकों को वैकल्पिक उड़ान विकल्प या रिफंड की पेशकश की जा रही है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, हम समझते हैं कि परिचालन से जुड़ी बाधाओं से हमारे ग्राहकों को असुविधा हुई है और हम उनसे ईमानदारी से माफी मांगते हैं। हम स्थिति को स्थिर करने की दिशा में काम कर रहे हैं और बहुत जल्द अपनी नियमित क्षमता के साथ संचालन फिर से शुरू करेंगे।

जहां विस्तारा के पायलट संभावित वेतन कटौती की शिकायत कर रहे हैं, वहीं अन्य कर्मचारियों में भी असंतोष है। एयरलाइन के एक कर्मचारी ने कहा, मुद्दा यह है कि विलय के बाद बनने वाली एयरलाइन में हम किस स्तर पर होंगे। सूत्रों का कहना है कि विस्तारा का एयर इंडिया में विलय के बाद वरिष्ठ भूमिकाओं पर तो अधिक असर नहीं पड़ेगा पर एयललाइन के अन्य कर्मियों को समायोजित करने की बहुत गुंजाइश नहीं है। हालांकि इससे पहले, एयरएशिया इंडिया के एयर इंडिया एक्सप्रेस में विलय के दौरान इसी तरह की समस्या देखने को नहीं मिली थी।

यात्रियों की परेशानी दूर करने के लिए सरकार क्या कर रही-विस्तारा एयरलाइंस की बड़ी संख्या में फ्लाइट्स कैंसिल होने और फ्लाइट्स में देरी होने पर लोगों ने नाराजगी के बाद सरकार भी हरकत में आ गई है। सोशल मीडिया पर यूजर्स कंपनी की सर्विस को लेकर नाराजगी जता रहे हैं। विस्तारा एयरलाइंस की इतनी बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द होने और उड़ानों में देरी होने पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने भी कंपनी से जवाब मांग लिया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है।

डीजीसीए ने विस्तारा एयरलाइन से क्या कहा?

उड़ानों के रद्द और देर होने की खबरों के बीच डीजीसीए ने विस्तारा एयरलाइन को परिचालन में आई दिक्कतों की दैनिक जानकारी और विवरण देने को कहा है। एयरलाइन को यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि सीएआर सेक्शन-3, सीरीज एम, पार्ट -4 के प्रासंगिक प्रावधानों जैसे बोर्डिंग से इनकार किए जाने, उड़ानों के रद्द होने और उड़ानों में देरी के कारण एयरलाइनों द्वारा यात्रियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाएं जैसे अग्रिम सूचना, वापसी का विकल्प, मुआवजा (यदि लागू हो) आदि का अनुपालन किया जाए। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा है कि इसके अतिरिक्त, नियामक के अधिकारी उपर्युक्त सीएआर के अनुपालन को सुनिश्चित करने और यात्रियों की असुविधा को कम करने के लिए स्थिति की निगरानी कर रहे हैं।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल- 462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01,-03, फैक्स नं.- 0755-2553914 e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) रजिस्टर्ड नं.म.प्र./296/भोपाल/2012-2014 आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, डाक पंजीयन क्र. म.प्र./भोपाल/296/2015-2017